Indian J. Soc. & Pol. 08 (01) :91-92: 2021 **ISSN: 2348-0084 (PRINT)**
31 January 2021 **ISSN: 2455-2127(ONLINE)**

डायेट एवं स्ववित्तपोषित प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे डी.एल.एड. प्रशिक्षणार्थियों के शिक्षण अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन

पूजा सिंह[1]
[1]शोध छात्रा, बयालसी पी0जी0 कालेज, जलालपुर, जौनपुर, उ0प्र0, भारत

ABSTRACT

जीवन स्थूल शरीर एवं सूक्ष्मतम चेतना का अलौकिक संगम है। पदार्थ एवं आकार के धरातल पर संसार का प्रत्येक प्राणी आपस में वैभिन्यता धारण किए हुए हैं। सृष्टि में विद्यमान प्रत्येक प्राणियों में कुछ विशिष्ट योग्यतायें होती हैं जो वातावरण के साथ उनके अनुकूलन को सुनिश्चित करती हैं, इन्ही योग्यताओं के कारण मनुष्य को प्रकृति का श्रेष्ठ प्राणी समझा जाता है। नूतन सहस्त्राब्दी के आधुनिक भूमण्डलीय युग में किसी भी राष्ट्र के लिए उसके भौतिक एवं मानवीय संसाधनों का अत्यन्त महत्व है। वस्तुतः भौतिक एवं मानवीय संसाधन ही किसी राष्ट्र को अग्रणी राष्ट्रों की कतार में खड़ा करने में सक्षम बनाते हैं। भौतिक संसाधनों की उपलब्धता सीमित एवं प्रकृतिजन्य होने के कारण आज के युग में मानवीय संसाधनों के विकास पर अधिक जोर दिया जा रहा है। निःसंदेह किसी भी राष्ट्र अथवा समाज के विकास का सर्वाधिक महत्वपूर्ण साधन मानव है।

KEYWORDS: *अभिवृत्ति, शिक्षण अभिवृत्ति, डायट, स्ववित्तपोषित प्रशिक्षण केन्द्र*

डी.एल.एड. प्रशिक्षण में प्रवेश छात्र–छात्राओं के स्नातक स्तर तक की विभिन्न कक्षाओं में प्राप्तांकों के प्रतिशत के आधार पर किया जाता है। उच्च प्रतिशतांक वाले छात्र–छात्रायें जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थानों (DIET) में प्रवेश पाते हैं तथा उनसे निम्न प्रतिशतांक वाले छात्र–छात्रायें स्ववित्तपोषित प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रवेश पाते हैं। स्पष्ट है कि दोनों प्रकार के प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षणार्थियों के गत शैक्षिक उपलब्धियों में अन्तर होता है। क्या इनकी शिक्षण अभिवृत्तियों तथा आकांक्षा स्तर में भी अन्तर है? और यदि है तो किस सीमा तक? इन्ही प्रश्नों के जिज्ञासा हेतु उत्तर प्रदेश के डायेट (DIET) एवं स्ववित्त पोषिति प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे डी.एल.एड. प्रशिक्षणार्थियों के शिक्षण अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन किया गया।

शिक्षण अभिवृत्ति

शिक्षण अभिवृत्ति से तात्पर्य वह अभिवृत्ति जो व्यक्ति के द्वारा अध्यापन व्यवसाय के प्रति प्रकट की जाती है। जब व्यक्ति परिस्थिति के अनुसार व्यक्ति तथा समाज के हितों को ध्यान में रखते हुए अध्यापन व्यवसाय में रुचि तथा आग्रह के साथ कार्य करते हैं तो कहा जा सकता है कि उनकी वह संवेगात्मक तत्परता या कुशलता धनात्मक व्यवसायिक अभिवृत्ति का सूचक है। प्रस्तुत अध्ययन में डायेट (DIET) एवं स्ववित्त पोषिति प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे डी.एल.एड. प्रशिक्षणार्थियों के शिक्षण अभिवृत्ति तथा आकांक्षा स्तर का का अध्ययन किया गया है। शिक्षण अभिवृत्ति के माापन हेतु डा0 एस0पी0 अहलूवालिया सिंह द्वारा निर्मित अध्यापक अभिवृत्ति परिसूची प्रयोग किया गया।

अध्ययन हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया तथा उत्तर प्रदेश के प्रयागराज, भदोही, जौनपुर एवं मिर्जापुर में स्थित डायेट (DIET) एवं स्ववित्त पोषिति प्रशिक्षण केन्द्रों के 600 छात्राध्यापकों को न्यादर्श के रूप में लिया गया जिसमें 300 डायेट के एवं 300 स्ववित्तपोषित प्रशिक्षण केन्द्रों के छात्राध्यापक सम्मिलित थे।

परिकल्पनाएं

अध्ययन में निम्नलिखित शून्य परिकल्पनाओं का परीक्षण किया गया –

1. डायेट एवं स्ववित्तपोषित प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे डी.एल.एड. छात्राध्यापकों के शिक्षण अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. लिंग भेद के आधार पर डायेट में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे डी.एल.एड. छात्राध्यापकों के शिक्षण अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
3. लिंग भेद के आधार पर स्ववित्तपोषित प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे डी.एल.एड. छात्राध्यापकों के शिक्षण अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

सारिणी संख्या – 1: डायेट एवं स्ववित्तपोषित प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे डी.एल.एड. छात्राध्यापकों के शिक्षण अभिवृत्ति की तुलना।

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	सी0आर0 मान	सार्थकता . 05 स्तर
डायेट	300	273.62	44.34	2.98	सार्थक
स्ववित्तपोषित	300	267.37	46.75		

सारिणी से स्पष्ट है कि डायेट में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे डी.एल.एड. छात्राध्यापकों के शिक्षण अभिवृत्ति का मध्यमान,

1: Corresponding Author

स्ववित्तपोषित प्रशिक्षण केन्द्रो पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे डी.एल.एड छात्राध्यापकों शिक्षण अभिवृत्ति के मध्यमान से अधिक है तथा इन दोनों मध्यमानों का सी0आर0 मान सार्थक है। अतः स्पष्ट है कि डायेट एवं स्ववित्तपोषित प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे डी.एल.एड. छात्राध्यापकों के शिक्षण अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर है। अतः परिकल्पना संख्या –1 '' डायेट एवं स्ववित्तपोषित प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे डी.एल.एड. छात्राध्यापकों के शिक्षण अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।'' अस्वीकृत की जाती है।

सारिणी संख्या – 2:लिंग भेद के आधार पर डायेट में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे डी.एल.एड. छात्राध्यापकों के शिक्षण अभिवृत्ति की तुलना।

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	सी0आर0 मान	सार्थकता .05 स्तर
छात्राध्यापक	300	271.61	45.10	1.10	सार्थक नहीं
छात्राध्यापिका	300	275.64	44.38		

उपरोक्त सारिणी से स्पष्ट है कि डायेट में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे डी.एल.एड. छात्राध्यापकों के शिक्षण अभिवृत्ति का मध्यमान, छात्राध्यापिकाओं के शिक्षण अभिवृत्ति के मध्यमान से कम है किंतु इन दोनों मध्यमानों का सी0आर0 मान सार्थक नहीं है। अतः स्पष्ट है कि डायेट पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे डी.एल.एड. छात्राध्यापकों तथा छात्राध्यापिकाओं के शिक्षण अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं है। अतः परिकल्पना संख्या 2 '' लिंग भेद के आधार पर डायेट में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे डी.एल.एड. छात्राध्यापकों के शिक्षण अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।'' स्वीकृत की जाती है।

सारिणी संख्या – 3 :लिंग भेद के आधार पर स्ववित्तपोषित प्रशिक्षण केन्द्रों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे डी.एल.एड. छात्राध्यापकों के शिक्षण अभिवृत्ति की तुलना।

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	सी0आर0 मान	सार्थकता .05 स्तर
छात्राध्यापक	300	266.52	43.78	0.47	सार्थक नहीं
छात्राध्यापिका	300	268.23	45.21		

उपरोक्त सारिणी से स्पष्ट है कि स्ववित्तपोषित प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे डी.एल.एड. छात्राध्यापकों के शिक्षण अभिवृत्ति का मध्यमान, छात्राध्यापिकाओं के शिक्षण अभिवृत्ति के मध्यमान से कम है किंतु इन दोनों मध्यमानों का सी0आर0 मान सार्थक नहीं है। अतः स्पष्ट है कि स्ववित्तपोषित प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे डी.एल.एड. छात्राध्यापकों तथा छात्राध्यापिकाओं के शिक्षण अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं है।अतः परिकल्पना संख्या –3 '' लिंग भेद के आधार पर स्ववित्तपोषित प्रशिक्षण केन्द्रों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे डी.एल.एड. छात्राध्यापकों के शिक्षण अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।'' स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष एवं परिणाम

1. डायेट एवं स्ववित्तपोषित प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे डी.एल.एड. छात्राध्यापकों के शिक्षण अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर है तथा डायेट में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्राध्यापक अपेक्षाकृत स्ववित्तपोषित प्रशिक्षण केन्द्रों के छात्राध्यापकों से अधिक धनात्मक शिक्षण अभिवृत्ति वाले परिलक्षित हुए हैं। इसका कारण डायेट पर उच्च योग्यता धारी प्रशिक्षकों का होना तथा दूसरी तरफ स्ववित्तपोषित प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रबन्धकों द्वारा मानकानुसार प्रशिक्षकों का न रखना हो सकता है।

2. डायेट में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्राध्यापकों एवं छात्राध्यापिकाओं के शिक्षण अभिवृत्ति में समानता है। दूसरे शब्दों में लिंग भेद के आधार पर डायेट में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्राध्यापकों के शिक्षण अभिवृत्ति में कोई अन्तर नहीं है।

3. स्ववित्तपोषित प्रशिक्षण केन्द्रों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्राध्यापकों एवं छात्राध्यापिकाओं के शिक्षण अभिवृत्ति में समानता है। दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है कि लिंग भेद के आधार पर स्ववित्तपोषित प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्राध्यापकों के शिक्षण अभिवृत्ति में कोई अन्तर नहीं है।

अध्ययन के प्राप्त परिणामों से ज्ञात होता है कि डाएट एवं स्ववित्तपोषित प्रशिक्षण केन्द्रों डी.एल.एड. प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्राध्यापकों के शिक्षण अभिवृत्ति में अन्तर है तथा स्ववित्तपोषित प्रशिक्षण केन्द्रों के छात्राध्यापकों की शिक्षण अभिवृत्ति डाएट के छात्राध्यापकों की अपेक्षा कम धनात्मक पायी गयी। यद्यपि लिंग भेद के आधार पर दोनों समूहों में कोई अन्तर नहीं पाया गया। यदि छात्राध्यापकों में सकारात्मक शिक्षण अभिवृत्ति की न्यूनता परिलक्षित हो रही है तो निश्चित ही हमारी शिक्षा के लिए यह शुभ संकेत नहीं है। ऐसे में शिक्षा के लक्ष्यों एवं उद्देश्यों की प्राप्ति भी संदिग्ध हो सकती है। अतः समाज, सरकार तथा शिक्षाविदों को ऐसे उपाय ढूँढने तथा करने चाहिए जिससे भावी अध्यापक अपनी व्यावसायिक अभिवृत्ति से ओत प्रोत हों तथा सुनहरे भविष्य का निर्माण कर सकें।

REFERENCES

गुप्ता एस.पी., 2008 *आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन,* इलाहाबाद, शारदा पुस्तक भवन,

गुप्ता एस.पी.2008, *एडवान्स एजूकेशनल साइकोलाजी,* इलाहाबाद, शारदा पुस्तक भवन,

बोड डी.एच., *फन्डामेण्टल आफ एजुकेशन।*

अहलूवालिया एस.पी., *टीचर एटीट्यूट इनवेन्टरी,* 1973

दमन एस., *ए स्टडी आफ एटीट्यूट आफ सेकेन्डरी स्कूल टीचर टूवार्ड्स देयर प्रोफेसन*।